

LOK SABHA DEBATES

LOK SABHA

Thursday, November 17, 1983 | Kartika 26,
1905 (SAKA)

The Lok Sabha met at Eleven of the
Clock

(MR. SPEAKER in the Chair)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Free Medical Help to Poor

*41. SHRI VIJAY KUMAR YADAV :
Will the Minister of HEALTH AND FAMILY
WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government have any plan
to introduce free and compulsory medical
help to the poor population of the country;
and

(b) if so, the details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY
WELFARE (KUMARI KUMUDBEN M.
JOHI) : (a) and (b) A statement is laid on
the Table of the Sabha.

Statement

The wide and extensive net-work of
hospitals, dispensaries and health infrastruc-
tural services established by the Central
Government/Union Territory Government in
rural and urban areas provide free medical
care to the poor and the needy. The health

facilities in rural and urban areas are further
being strengthened by providing in a phased
manner :

1. A Health Guide with a medicine
kit for every one thousand rural
population/for every village;
2. A sub centre with one male and
one female multi-purpose worker
for every 5000 rural population in
general and for every 3000 rural
population in tribal and hilly
areas;
3. A primary health centre for every
30,000 rural population in general
and for every 20,000 rural popu-
lation in hilly and tribal areas;
and
4. A community health centre (rural
hospital) for every one lakh popu-
lation with specialist services in
surgery, medicine, paediatrics and
obstetrics and gynaecology with
laboratory and x-ray facilities.

The funds provided for medicines in the
primary health centre area have been enhan-
ced to the level of about Rs. 90,000. Besides,
medicines are also provided under MCH and
other national programmes like eradication/
control of tuberculosis, malaria, leprosy and
blindness.

The Govt. have also approved recently
a scheme to reorganise family welfare and
primary health care services in urban areas
particularly covering the urban slums. The
scheme aims at providing out-reach services
to the slum population in respect of family
planning, MCH, communicable diseases and
curative and referral services.

श्री विजय कुमार यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल केवल एक ही है और वह भी बहुत सिम्पल है। जवाब जिस तरह से दिया गया है, वह बहुत ही निराधार है।

अध्यक्ष महोदय : सवाल सिम्पल किया, इसलिए जवाब सिम्पल आ गया।

श्री विजय कुमार यादव : जवाब इतना मिसलीडिंग है कि पता नहीं स्वास्थ्य मंत्री की कांस्टीट्यूएन्सी में ये सारी बातें हो रही होंगी। इसके अलावा पूरे देश के अन्दर यह सब हो रहा है। सभी कुछ कागज पर है। इस स्टेटमेंट में इन्होंने चार-पांच सुविधाओं का जिक्र किया है तो पूरे देश के पैमाने पर हेल्थ गाइड, सब-सेन्टर, प्राइमरी हेल्थ सेन्टर और कम्युनिटी हेल्थ सेन्टर की कुल संख्या कितनी है और यह देश की कितनी आबादी के परसेन्टज को कवर करता है और बाकी जो आबादी बच जाती है उसके सिलसिले में सरकार की क्या योजना है?

कुमारी कुमुदबेन एम० जोशी : अध्यक्ष जी, हमने जो स्टेटमेंट दिया है, उसमें जनरल पालिसी को देखते हुए हम क्या कर रहे हैं और क्या करने जा रहे हैं, इसकी इन्फार्मेशन दी है। माननीय सदस्य ने पूछा है कि जो हम स्वास्थ्य की सहायता देने जा रहे हैं उसमें हेल्थ गाइड से लेकर प्राइमरी हेल्थ सेन्टर तक का जो इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया हुआ है, उसकी डिटेल्ड इन्फार्मेशन चाहिए कि आज तक हमने कितने किए हैं? छठी पंचवर्षीय योजना पूरी होते हुए हम कितने करने जा रहे हैं और कितना टारगेट अचीव कर रहे हैं, वह सारी फिगरस हमारे पास हैं। हेल्थ गाइड से प्राइमरी हेल्थ सेन्टर तक जाऊंगी तो मैं समझती हूँ कि उसमें एक घंटा भी कम पड़ेगा। आपकी इजाजत हो तो सारी इन्फार्मेशन मैं सदस्य को पहुंचा दूंगी कि हमने कितना अचीव किया है, कितने करने जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : सारों को दे दो।

कुमारी कुमुदबेन एम० जोशी : नेशनल हेल्थ पालिसी पर बहस भी आ रही है। उसमें भी डिसकस करेंगे। मेरे पास सारे आंकड़े हैं। आपकी इजाजत हो तो मैं पढ़ भी देती हूँ।

DR. KRUPASINDHU BHOI : When the national health policy will be discussed, everything will be covered.

KUMARI KUMUDBAN M. JOSHI : So far as the functioning of the primary health centres is concerned, on 1-4-1980 their number is 5485. The target for 1980-85 is 756. Their number as on 1-4-83 is 5959. During 1983-84, their target and sanctioned number is 348.

अध्यक्ष महोदय : बस कीजिये। मुझे यकीन हो गया है कि दोनों मंत्रियों की सेहत की वजह से आप एक घंटा पढ़ सकती हैं।

श्री विजय कुमार यादव : मैंने शुरू में कहा था कि मैं एक सिम्पल सवाल करूंगा। मेरा सवाल यह है कि गरीब लोगों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य चिकित्सा सेवाओं की आप व्यवस्था करने जा रहे हैं या नहीं। इसके बारे में आप क्या करने वाले हैं या आपने क्या किया है। आपकी कोई नेशनल हेल्थ पालिसी बनाने की योजना है जिसमें तमाम गरीब लोगों के लिए चाहें वे देहात में या शहर में रहने वाले हों फ्री और कम्पलसरी चिकित्सा सुविधायें प्राप्त हो सकें, उनके वास्ते चिकित्सा व्यवस्था हो सके और है तो वह कब तक हो जाएगी?

कुमारी कुमुदबेन एम० जोशी : आज भी गवर्नमेंट की पालिसी यह है कि चाहें देहात में रहने वाले हों या शहर के, जो गरीब लोग हैं, जो पिछड़े तबके के लोग हैं उनके लिए निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं हम दें। हमने जो हेल्थ पालिसी बनाई है उस पर राज्य सभा में तो चर्चा हो चुकी है। और लोक सभा में भी वह आएगी। हमारा फ्यूचर प्लानिंग क्या है और गरीबों को ज्यादा से ज्यादा सविस् कैसे हम दे पाएं उसका

भी हम ने विचार कर रखा है। हेल्थ पालिसी में बात जाएगी। आज भी गवर्नमेंट गरीबों को निःशुल्क सेवाएं दे रही हैं।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY : When the health of the government is not good how can the health of the country be good ?

KUMARI KUMUDBEN M. JOSHI : You can see the health.

अध्यक्ष महोदय : ये भी चमक रहे हैं।

SHRI D.P. YADAV : Free and compulsory medical help to the poor is a misnomer in this country. Till you have got private practice by government doctors in parts of the country, you cannot give free and compulsory treatment. Is the Department of Health, Government of India, contemplating to direct the State Government that private practice by medical practitioners in hospitals should be completely banned?

KUMARI KUMUDBEN M. JOSHI : Free and compulsory education is the concern of the Ministry of Education. Health is a State subject. If the hon. member desires, we can suggest to the State Government about it; but it is for them to take a decision whether they should allow private practitioners or not.

श्री दीन बन्धु वर्मा : मैं मानता हूँ कि स्वास्थ्य स्टेट सबजेक्ट है। लेकिन मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह देखना आपका कर्तव्य नहीं है कि जिन चिकित्सा केन्द्रों पर डाक्टर उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ पर किस तरह से डाक्टरों की व्यवस्था की जा सकती है और क्या इसके बारे में आपने को पालिसी बनाई है ?

कुमारी कुमुदबेन एम० जोशी : इसके स्टेट सबजेक्ट होने के बावजूद स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से उसका मानिट्रिंग होता है और जिन प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर डाक्टर नहीं है या जहाँ दो की जगह एक होता है तो हम राज्य सरकार का ध्यान उस ओर आकर्षित करते हैं और

उनको कहा जाता है कि वे इनको जल्द से जल्दी सप्वाईट करें और इन स्थानों की पूर्ति करें।

Casualties due to Viral Fever since
January, 1983

*42. SHRI CHIRANJI LAL SHARMA:
SHRI RAM SINGH SHAKYA : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to lay a statement showing :

(a) total number of casualties which took place due to viral fever during the current year since January, 1983 state-wise;

(b) the steps taken or proposed to be taken to check the same; and

(c) whether any research regarding the diagnosis of the disease has been conducted for its proper treatment ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY
WELFARE (KUMARI KUMUDBEN M.
JOSHI) : (a) to (c) A statement is laid on
the Table of the Sabha.

Statement

As per available information, 238 deaths due to viral fever have been reported. The State-wise break up is as under :

Andhra Pradesh	87
Bihar	34
Goa, Daman & Diu	1
Karnataka	78
Manipur	10
Tamil Nadu	26
Uttar Pradesh	2
Total :	238